REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 11 | ISSUE - 8 | MAY - 2022

झारखंड के पर्यटन उद्योग पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव

अपराजिता[1] & डॉ तम्मी नायडू- जी[2]
[1]रिसर्च स्कॉलर, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड.
[2]सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़.

सार-

अर्थव्यवस्था के विकास में पर्यटन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन आंदोलन के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय एकता और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने में मदद करता है। पर्यटन सबसे बड़ा और तेजीसे बढ़ता हुआ उद्योग माना जाता है। देश के लिए विदेशी मुद्रा का एक महत्वपूर्ण स्रोत होने के अलावा पर्यटन संभावित रूप से महान रोजगार सृजनकर्ता है। इस अध्ययन का उद्देश्य झारखंड के पर्यटन क्षेत्र पर कोविड -19 के प्रभाव की जांच करना है। झारखंड में पर्यटन की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत, पारिस्थितिकी की विविधता, इलाकों और प्राकृतिक सौंदर्य के स्थान को दर्शाता है। महामारी और संक्रामक रोगों के कारण पर्यटन उद्योग झारखंड में बहुत अस्थिर हुआ है। कोविड-19 ने दुनिया भर के पर्यटन क्षेत्र को सील कर दिया। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए भारत ने भी प्रतिबंध लगाया। भारत में जैसे ही संक्रमण बढ़ा, यहां कड़े प्रतिबन्ध लगा दिए गए। पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया इसका असर सभी उद्योग धंधे पर पड़ा। पर्यटन के क्षेत्र में भी मंदी आ गई। यह अध्ययन झारखण्ड की अर्थव्यवस्था मेंपर्यटन क्षेत्र के महत्त्व और कोरोना काल में पर्यटन पर पड़े असर को समझने के लिए किया गया है।

कीवर्ड : पर्यटन, कोविड -19, मंदी, लॉकडाउन, यात्रा.

1. परिचय

1 दिसंबर, 2019 को पहली बार चीन के वुहान में कोरोना वायरस (कोविड-19) का पता चला। यह वायरस 210 से अधिक देशों में फैल गया। दुनियाभर में 52 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हुए, 62 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। 4-31 करोड़ लोग यहां कोरोना की चपेट में आए। आधिकारिक तौर पर देश में 5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। दुनिया भर के शोधकर्ता, डॉक्टर और वायरोलॉजिस्ट बीमारी के लक्षण को कम करने, संभावित उपचारों, उपचारों की पहचान करने और टीके विकसित करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हालांकि, समय के साथ वायरस के आनुवांशिक परिवर्तन ने वैज्ञानिकों के लिए चुनौतियों को बढ़ा दिया है। उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की उपलब्धता के बावजूद मौत की संख्या बढ़ी है। कोविड-19 ने न केवल लोगों पर असर डाला है, बल्कि व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बंद कर दिया है। डब्ल्यूटीटीसी (वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल) के अनुसार, 2018 की जीडीपी में यात्रा और पर्यटन के कुल योगदान में भारत को 185 देशों में तीसरे स्थान के रूप में वर्गीकृत किया है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित यात्रा और पर्यटन कम्पेटिटिवेनेस रिपोर्ट 2019 में भारत को 34वां स्थान दिया गया। सभी देश ने अपनी सीमा को बंद कर दिया था। यात्रा पर प्रतिबन्ध लगाए गए थे। इसका असर दुनिया की अर्थवयवस्था पर पड़ा और कई देश आर्थिक संकट से घिर गए, वहां मंदी आ गई। श्रीलंका इसका ज्वलंत उदाहरण है। आर्थिक संकट से आज वहां गृह युद्ध के हालात पैदा हो गए हैं। भारत में कोविड-19 के कारण

विदेशी और स्थानीय पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी। इससे 67 प्रतिशत विदेशी और 52 प्रतिशत घरेलू पर्यटकों की संख्या में कमी आई। कोरोना के कारण यात्रा और पर्यटन उद्योग को काफी नुकसान हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 100-08 मिलियन लोगों के रोजगार पर असर पड़ा (सांख्यिकीय 2020)।

भारत विकासशील देशों में से एक है जो परंपरा, संस्कृति और अद्वितीय आतिथ्य में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता है। भारत कई अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है, जो यहां रोजगार के कई अवसर पैदा कर रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने कुल रोजगार के 12-75 प्रतिशत के साथ लगभग 87-5 मिलियन नौकरियों का सृजन किया है। इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद (डब्ल्यूटीटीसी, 2018) में 194 बिलियन (भारतीय रुपए) का योगदान हुआ है। पर्यटन कई देशों में राजस्व और रोजगार का एक प्रमुख स्रोत है। यह रोजगार, आय, कर संग्रह और विदेशी मुद्रा आय के लिए एक जनक है। इस क्षेत्र ने 2018 में 3-2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की । 2019 में 10-8 मिलियन विदेशी पर्यटक 29-9 बिलियन अमरीकी डालर (विदेशी मुद्रा) के साथ भारत आए। मार्च 2020 में भारत सरकार ने देशव्यापी लॉकडाउन लगाया था। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और वीजा पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। कुछ ही दिन में यह स्पष्ट हो गया था कि कोविड-19 का देश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ने वाला है। लॉकडाउन और प्रतिबंधों के कारण वर्ष 2019 की तुलना में मार्च 2020 में भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन में 66-4 प्रतिशत की गिरावट आई (टैन, 2020)। भारत में लगभग 40&50 मिलियन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी में नुकसान होने का अनुमान लगाया गया था। भारत में लगभग 17 बिलियन अमरीकी डालर के राजस्व में वार्षिक नुकसान आकलन किया गया था (फिक्की 2020, स्क्रॉल 2020)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अनुसार, भारत द्वारा विदेशी पर्यटकों पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण होटल, विमानन और यात्रा क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 8,500 करोड़ (भारतीय रुपए) का अनुमान है।

2. साहित्य की समीक्षा -

कोविड-19 के कारण भारतीय और विश्व पर्यटन उद्योग एक बड़े संकट में था, क्योंकि पर्यटकों को किसी भी देश में जाने की अनुमति नहीं थी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद पर इसका असर पड़ा। वायरस के फैलने के कारण स्वास्थ्य सेवा पर व्यापक असर पड़ा। आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई थी। अध्ययन का उद्देश्य भारत और विश्व स्तर पर पर्यटन उद्योग पर कोरोना के प्रभाव को मापना है।

कोविड-19 महामारी ने आतिथ्य, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, वायु, भूमि और समुद्री परिवहन उद्योग और अन्य क्षेत्रों दुनिया भर में पर्यटन उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया था (मोंडाक, 2020) । यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को कोरोनावायरस कोविड-19 के प्रकोप के प्रभाव से समाप्त कर दिया गया था (फोकसवायर, 2020) । तब यह अनुमान लगाया गया था कि 120 मिलियन नौकरियां जोखिम में हैं । इससे 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक आर्थिक क्षति होने की संभावना है (वेफोरम, 2020)।

आपदा या किसी बड़ी घटना का असर पर्यटन को प्रभावित करता है, जैसे कोविड-19, स्वाइन फ्लू, इबोला जैसी बिमारी के अलावा अमेरिका में 9@11, मुंबई का 26@9 आतंकवादी हमला आदि। हाल में चीन के वुहान से निकली कोविड-19 महामारी ने दुनियाभर में सभी उद्योग धंधो के साथ पर्यटन पर भी पड़ा है। कोविड-19 से कई देश अभी तक उबर नहीं पाए हैं। उड़ानें रोक दी गई थी। तीर्थयात्रा, पर्यटन स्थलों, धार्मिक आयोजनों पर रोक थी। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल ने 2020 में 2-1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर और 75 मिलियन नौकरियों तक पर्यटन से संबंधित नुकसान की भविष्यवाणी की थी (डब्ल्यूटीटीसी, 2020)। भारत में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी, 2020 को सामने आया था। इसके बाद सरकार ने सभी हवाई अड्डों पर यात्रियों की स्कैनिंग शुरू की गई थी। भारत सरकार ने कोविड-19 बीमारी से लड़ने के लिए 25 मार्च, 2020 को लॉकडाउन लागू किया था। हवाई यात्रा भी रोक दी गई थी। भारत सरकार की ओर से जारी आंकड़े के मुताबिक देश में 4-31 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आए। अबतक 5 लाख से ज्यादा मरीजों कि मौत हो चुकी है। यात्रा उद्योग, जिसमें एयरलाइंस, होटल और रेस्तरां शामिल हैं, इसमें बहुत ज्यादा गिरावट आई। नौकरियों और राजस्व को भारी नुकसान हुआ। कोरोना काल में पर्यटन उद्योग को ठीके रह पाना बहुत बड़ी चुनौती साबित हुई।

3. उद्देश्य -

अध्ययन का उद्देश्य यह आकलन करना है कि कोरोनावायरस के प्रकोप ने झारखण्ड में यात्रा और पर्यटन उद्योग को किस हद तक प्रभावित किया है। अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं-

(i) घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आगमन के आंकड़ों का मूल्यांकन।

(ii) यात्रा और पर्यटन उद्योग के डेटा विश्लेषण के अनुसार कोविड-19 वायरस ने झारखण्ड में यात्रा और पर्यटन उद्योग को किस हद तक प्रभावित किया है, इसका पता लगाना।

4. अनुसंधानपद्धति -

यात्रा और पर्यटन एक अद्वितीय प्रकार का उद्योग है । एक इकाई होने के बजाय, यह कई उद्योग का जोड़ है। महामारी के प्रभावों का अध्ययन प्रभावित सभी घटकों के तहत किया जा सकता है, जो इसे एक पर्यटन उद्योग के रूप में बनाते हैं। इस अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा महामारी के प्रभावों को मापने के लिए कई अध्ययन किए गए हैं। इस शोध कार्य में द्वितीयक शोध पद्धति को अपनाया गया है। यहां, शोध प्रश्न है - Þझारखण्ड में पर्यटन उद्योग पर कोरोनावायरस के प्रभाव क्या रहे हैंß। झारखण्ड के पर्यटन उद्योग पर कोरोनावायरस के प्रभाव पर किए गए शोध के लिए विभिन्न पत्रिकाओं, सरकारी दस्तावेजों की समीक्षा की जाती है जो अध्ययन के लिए आवश्यक डेटा एकत्र करने में सहायता करते हैं।

5. झारखंड में कोविड-19 का प्रभाव -

झारखंड को प्रकृति ने अप्रतिम सौंदर्य और असीमित पर्यटन स्थलों से नवाजा है। एक ओर प्राकृतिक दृश्यों और स्थलों की रचना की है, जिनमें ख़ूबसूरत झरने, नदी, पहाड़, पठार और वन्य प्रदेश शामिल हैं। दूसरी ओर कई मानवनिर्मित उद्यान, मंदिर और प्राचीन कला स्थल भी हैं। झारखंड विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों एवं धर्मों का संगम क्षेत्र है। आदिवासियों का अनूठा जीवन और उनके विविधतापरक रीति-रिवाज भी पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। प्राकृतिक सौदर्य से हरा भरा झारखंड भी कोरोना का दौर देख चुका है। कोरोना संक्रमण की तेज रफ्तार ने कारण राज्य में पर्यटन उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया था। मार्च 2020 में कोरोना के दस्तक के बाद वैसे तो हर सेक्टर प्रभावित हुए, मगर सबसे ज्यादा नुकसान पर्यटन क्षेत्र को उठाना पड़ा। प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक संसाधनों से भरे इस प्रदेश को देखने घरेलू और विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा सालों भर लगा रहता था। यही वजह है कि 2019 में पर्यटकों के आगमन की दृष्टि से राष्ट्रीय आंकड़ों में झारखंड 9वां स्टेट बन चुका था। राज्य गठन के बाद से विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या में 2019 तक अभूतपूर्व वृद्धि हुई थी। यहां के प्राकृतिक संपदा, जंगलों और झरनों को देखने देश-विदेश से लोग आते रहे हैं, लेकिन कोरोना ने पर्यटकों को रोक दिया।

कोरोना से पहले पर्यटकों के आगमन के आंकड़ें

साल	घरेलू पर्यटक	विदेशी पर्यटक
2000	23991	172
2011	1,14,80,387	87,521
2017	3,37,23,185	1,70,987
2018	3,54,08,822	1,75,801
2019	3,55,80,786	1,76,043

(स्रोत & झारखण्ड विभाग, 2020)

आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 में राज्य में विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 172 थी, जो वर्ष 2019 में बढ़कर 1,76,043 हो गई। यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता ही गया। भारत पर्यटन सांख्यिकी 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के कारण राज्य की रैंकिंग में भी वृद्धि हुई है। इसी तरह घरेलू पर्यटकों के आगमन के मामले में राज्य की राष्ट्रीय रैंकिंग, जहां यह 13 थी, जो 2019 में 9वें रैंकिंग तक पहुंच गई थी।

राज्य स्थापना वर्ष 2000 तक आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या केवल 23991 और विदेशी पर्यटकों की संख्या केवल 172 थी। लेकिन 2020 तक राज्य में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या 3,55,80,768 थी। वर्ष 2011 में 1,45,80,387 घरेलू पर्यटकों ने राज्य का दौरा किया और यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 87521 थी। वर्ष 2017 में राज्य में 3,37,23,185 घरेलू और 1,70,987 विदेशी पर्यटक आए। वर्ष 2018 में 3,54,08,822 घरेलू और 1,75,801 विदेशी पर्यटक आए थे। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के लगभग 75,000 लोगों को स्थानीय पर्यटन के माध्यम से रोजगार मिला है। नेतरहाट हो या रांची का रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ,

देवघर वैजनाथ मंदिर, योगदा मठ, रविंद्र नाथ टैगोर पार्क, पारसनाथ, रजरप्पा मंदिर आदि इन सभी जगहों में सालभर पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके अलावा झारखंड सरकार विभिन्न पर्यटन स्थल को धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, जिसके तहत मधुबन और पारसनाथ के प्रबंधन के लिए पारसनाथ विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है।

मार्च 2020 से कोरोना के कारण राज्य के पर्यटन स्थल बंद कर दिए गए। देवस्थल, पार्क से लेकर सभी पर्यटन स्थलों पर रोक लगा दी गई। इससे सरकार को राजस्व में भी हानि हुई। लगातार सैलानियों की कमी से 2019 की तुलना में 2020&21 तक राज्य सरकार को पर्यटन के क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ। वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव की मानें तो कोरोना के कारण पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। सरकार की आमदनी तो घटी ही, इसके रखरखाव में भी परेशानी हुई। कोरोना संक्रमण के दूसरी लहर में पर्यटन सहित अन्य विभागों के राजस्व संकलन में 50 फीसदी से अधिक की कमी आ गई थी। पर्यटन विभाग के जीएम आलोक प्रसाद की मानें तो वर्ष 2019 की तुलना में इस वर्ष तक 20 फीसदी ही सैलानी विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पहुंचरहे हैं। स्पष्ट सरकारी गाइडलाइन जारी नहीं होने के कारण भी लोगों की भीड़ नहीं बढ़ रही है और इस वजह से पर्यटन स्थल वीरान पड़ा है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में झारखंड के पर्यटन स्थल गुलजार रहेंगे।

6. निष्कर्ष -

कोविड-19 के व्यापक प्रसार से पर्यटन क्षेत्र बहुत प्रभावित हुआ है। इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। यह शोध पत्र पर्यटन पर कोविड-19 द्वारा उत्पन्न अधिक प्रभाव की जांच को दर्शाता है कि देश-विदेश के साथ-साथ झारखण्ड की अर्थव्यवस्था को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। कोरोना वायरस के कारण पर्यटन उद्योग को एक बड़े खतरे का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से आर्थिक मंदी भी देखी गई। कोरोना के बाद सरकार और पर्यटन विभाग को ऐसी कोशिश करनी चाहिए, जिससे पर्यटकों के अंदर यात्रा करने के प्रति विश्वास कायम हो। पर्यटन क्षेत्र दूसरे उद्योगों की तुलना में सबसे अधिक भरोसे पर निर्भर करता है। 2020 से पहले की स्थिति में लौटने में पर्यटन उद्योग को अभी वक्त लगेगा। ऐसे में पर्यटकों को यात्रा के लिए बाहर निकलने से पहले यह विश्वास दिलाना होगा कि वे पहले कि तरह सुरक्षित हैं। पर्यटकों में भरोसा जगाने के लिए पर्यटन स्थल, होटल, रेस्ट हाउस, लॉज आदि जगहों को वायरस मुक्त करने कि आवश्यकता है। उन्हें यह महसूस हो की अब वे कोविड-19 से सुरक्षित हैं। हालाँकि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि वायरस का प्रसार कैसे रोका जा सकता है।

संदर्भ -

1. **Patel, P., Sharma, J., Kharoliwal, S., & Khemariya, P. (2020).** The Effects of Novel Corona Virus (Covid-19) in the Tourism Industry in India. International Journal of Engineering Research & Technology (IJERT); 9(05).
2. **Baum, T. and Hai, N.T.T. (2019):** Applying sustainable employment principles in the tourism industry: righting human rights wrongs? Tourism Recreation Research, Vol. 44, No. 3, pp.371-381.https://doi: 10.1080/02508281.2019.1624407.
3. **Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) (2020):** Press Information Bureau (PIB), Union Budget 2020-21, Ministry of Tourism, Press Release.
4. **Gössling, S., Scott, D. and Hall, C.M. (2020):** Pandemics, tourism, and global change: a rapid assessment of COVID-19. Journal of Sustainable Tourism, pp.1-20.
5. **Jones, P. and Comfort, D. (2020):** The COVID-19 Crisis, Tourism, and Sustainable Development. Athens Journal of Tourism, Vol. 7, No. 2, pp.75-86.
6. **Ministry of Tourism (2020):** Dekho Apna Desh Webinar. http://tourism.gov.in/dekho-apna-deshwebinar-ministry-tourism. [Accessed on 12 May 2020,
7. **Organisation for Economic Cooperation and Development (OECD) (2020a):** COVID-19: Tourism Policies Responses, last updated on 15 April 2020

8. **Organisation for Economic Cooperation and Development (OECD) (2020b):** Tackling coronavirus (COVID-19), contributing to a global effort: tourism responses. Retrieved from https:// bit.ly/2zOH8Qg. Accessed 3 May 2020.
9. **United Nations World Tourism Organization (UNWTO) (2020):** Impact assessment of the COVID-19 outbreak on international tourism. Retrieved from: https://bit.ly/36 gm4hM. Accessed 3 May 2020.
10. **World Travel & Tourism Council (WTTC). Travel and Tourism:** Benchmarking Trends Report 2019. https://wttc.org/en-gb/Research/EconomicImpact/Benchmarking.
11. **Xin, S., Tribe, J. and Chambers, D. (2013):** Conceptual research in tourism. Annals of Tourism Research, Vol. 41, No. 1, pp.66-88.
12. https://www.unwto.org/impact-assessment-of-the-covid-19-outbreak-on-international-tourism [accessed Dec 1 2020,.
13. **Hazra, S and SenGupta, P.P. (2012):** "Cultural Diversity and its Impact on Jharkhand's Socio-Economic Development", Asian Journal of Multidimensional Research, Vol .1, No.3, pp.74-87
14. **Jayswal, R. K. (2011):** "Tourism: An Instrument for Eradication of Naxalism in Jharkhand", rkjdsvv.blogspot.in/2011/10/tourism-instrument-for-eradication-of.html
15. दैनिक भास्कर रांची 03 जुलाई 2020 p-1
16. www.jharkhand.gov.in